(ख) यदि हां, तो क्या देश भर में इस प्रकार का कोई सर्वेक्षण कराया गया है कि किन-किन प्रांतों में और किस प्रकार से "साहसिक पर्यटन" को विकसित किया जाय ताकि साहसिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी, हां।

(ख) राज्य सरकार साहसिक पर्यटन से संबंधित स्कीमों का अधिनिर्धारण करती है जिनके लिये केन्द्रीय सरकार वित्तीय सहायता मुहैया कराती है। यात्रा प्रचालकों ने भी पर्यटकों की मांग के अनुसार, साहसिक पर्यटन कार्यकलापों का विकास किया है। गत तीन वर्षों के दौरान, पर्यटन विभाग ने भारत में विभिन्न राज्य सरकारों को साहसिक पर्यटन के विकास के लिये निम्नलिखित राशियां अवमुक्त की हैं:—

(रु० लाखों में)

1991–92	1992–93	1993–94
336–37	270.00	279.97

हिमाचल प्रदेश में वायुदूत-उड़ानों का प्रचालन

2313. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर राज्यों में वायुदूत की उड़ानें पुनः आरम्भ कर दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो ये उड़ानें कौन-कौन से स्थानों के लिए आरम्भ की गई हैं;

(ग) क्या पूर्वोत्तर राज्यों की भांति हिमाचल प्रदेश से विभिन्न स्थानों के लिए भी उड़ानें की तरह हो वायुदूत की उड़ानें पुनः प्रारम्भ की जायेंगी, और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी हां।

(ख) इस समय निम्नलिखित 13 स्टेशन वायुदूत की सेवा से जुड़े हुए हैं:—

1. कलकत्ता 2. कूचबिहार 3. बागडोगरा 4. अगरतल्ला 5. शिलांग 6. एन्जवाल 7. गुवाहटी 8. सिलचर 9. दीमापुर 10. लीला-बाड़ी 11. डिब्रूगढ़ 12. तजूक 13 जरों।

(ग) और (घ) वित्तीय कठिनाइयों और विमान क्षमता की कमी के कारण बहुत सार स्टेशनों की सेवाएं धीरे-धीरे बन्द कर दी गई हैं। वायुदूत की हिमाचल प्रदेश राज्य में सेवाएं पुनः शुरू करने की कोई तत्काल योजना नहीं है।

सिक्किम में हवाई-पट्टी का निर्माण

2314. **श्री महेश्वर सिंह** :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय राष्ट्रीय विमान-पत्तन प्राधिकरण ने सिक्किम में हवाई-पट्टी बनाने के लिए दो तीन वर्ष पूर्व राज्य-वार सरकार के आग्रह पर कोई सर्वेक्षण कराया था;

(ख) यदि हां, तो कब और क्या सरकार इस रमणीक राज्य में एक हवाई पट्टी बनाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी हां।